2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
राजनीति विज्ञान	1 3 0	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

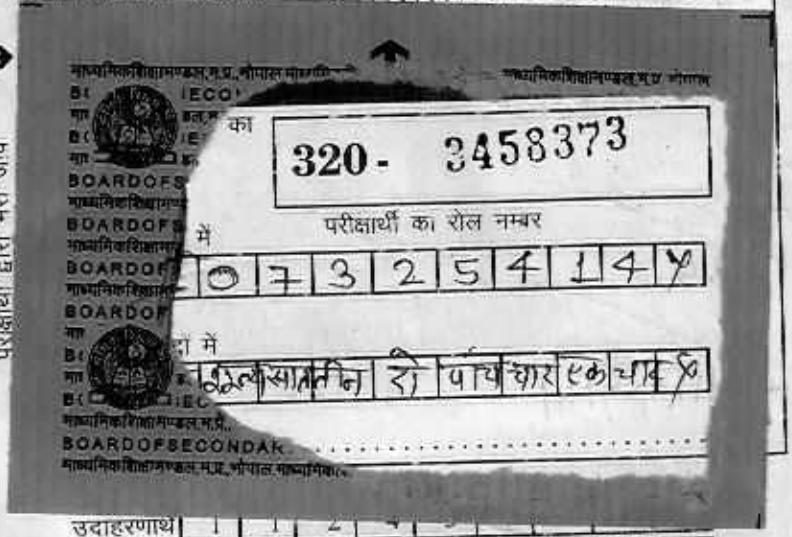

320- 3458373

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 0 7 3 2 5 4 1 4 4

शब्दों में: शून्य सात तीन दो पांच चार एक चार चार

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 4 शब्दों में चार

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 16

ग :- परीक्षा का दिनाक 13 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S.S.C.

TS1002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है। निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
80-045	Vijay Kr. 331552

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांक ... करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

स्वाधीन

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1

(i) 562

(ii) सन् 1985

(iii) भारत - पाकिस्तान

(iv) नीति

(v) प्रदेश का एकीकरण

प्रश्न क्रमांक - 2

(i) राष्ट्र

(ii) ~~सन् 1945~~ सन् 1954

(iii) 24 अक्टूबर

(iv) परिवर्तन

(v) निरक्षरता

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3

(i) जो सदस्य अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य होते हैं वे सभी सदस्य विश्व बैंक के भी सदस्य होते हैं।

(ii) सार्क (काठमाण्डू)

(iii) सुरक्षा परिषद्

(iv) भूमण्डलीकरण

(v) पुपिल्स वार ग्रुप।

BSE

प्रश्न क्रमांक - 4

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5

(i) संवैधानिक सलाहकार

(ii) पूणे

(iii) 1997

(iv) ~~1960~~ असम

(v) 1968

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 6

1 जनवरी 1949 के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर 32,000 वर्ग मील क्षेत्र को अपने कब्जे में कर लिया । जिसे वह इस क्षेत्र को आजाद कश्मीर कहता है ।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 7

अथवा

भारत ने अपनी पहली सैन्य टुकड़ी 27 अक्टूबर सन 1947 को कश्मीर भेजी थी।

प्रश्न क्रमांक - 8

संवैधानिक सलाहकार - बी. एन. राऊ थे

प्रश्न क्रमांक - 9

यूरोपीय संघ यूरोप का एक आर्थिक व सहयोगकारी संगठन है।

इसके उद्देश्य -

(1) सामाजिक आर्थिक निकटता :- यूरोप के राष्ट्रों के मध्य सामाजिक एवं निकटता लाना।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) मौद्रिक संघ का निर्माण :- एक आर्थिक एवं मौद्रिक संघ का निर्माण करना जिससे ~~एक~~ यूरोप में एक मुद्रा का परिचालन किया जा सके ।

प्रश्न क्रमांक - 10

शिमला समझौता जुलाई 1972 में इन्दिरा गाँधी तथा भुट्टो के मध्य हुआ था इस समझौते के प्रावधान -

(1) कश्मीर प्रकरण : द्विपक्षीय विवाद में तीसरे का हस्तक्षेप नहीं ।

कश्मीर प्रकरण को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नहीं उठाना ।

BSE

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 11

अथवा

भारतीय संविधान "सीमित सरकार" की धारणा को प्रतिपादित करता हैं।

भारत में संविधान निर्माण की आवश्यकताएँ -

(1) सरकार के मनमाने व्यवहार के प्रति मनुष्य को संरक्षण

(2) राजनीतिक विकास की विधि सम्मत प्रगति की गारण्टी

(3) सामाजिक व आर्थिक विकास की गारण्टी

(1) सरकार के मनमाने व्यवहार के प्रति मनुष्य को संरक्षण :-

संविधान के द्वारा सरकार निरंकुश नही हो पाती हैं तथा मनुष्य के विकास हेतु सरकार का चयन होता है व वह राज्य के कल्याण के लिए कार्य करती हैं।

(2) राजनीतिक विकास की विधि सम्मत गारंण्टी :-

संविधान के द्वारा

प्रश्न क्र.

राजनीतिक विकास का सुनश्चय होता है और मनुष्य चुनाव में भाग लेकर अपने प्रत्याशी मतदान देता हैं।

③ सामाजिक व आर्थिक विकास की गारण्टी:-

संविधान

* मनुष्य अर्थात राज्य के सभी नागरिको की विधि सम्मत सामाजिक व आर्थिक विकास की गारण्टी देता हैं। इसीलिए हमें संविधान की आवश्यकता होती हैं।

संविधान विहीन राज्य, राज्य न होकर एक अराजकता होती हैं।

BSE

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्रमांक - 12

अथवा

नागरिकों के मौलिक अधिकार से आशय उन अधिकारों से होता है जो मनुष्य व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक होते है तथा हम इसके लिए न्यायालय की शरण ले सकते हैं।

तीन मौलिक अधिकार -

① समानता का अधिकार :- इसमें सभी व्यक्तियों को धर्म, लिंग, जाति, वर्ण आदि पर बिना भेदभाव किये सभी समानता के अधिकार को प्राप्त करते हैं।

संविधान में अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18 तक समानता के अधिकारों का वर्णन हैं।

② स्वतंत्रता का अधिकार :- संविधान में अनुच्छेद 19 से 22 से लेकर अनुच्छेद 22 तक इसका वर्णन मिलता है।

(3) शोषण के विरुद्ध अधिकार :- भारत के संविधान में अनुच्छेद 23 व अनुच्छेद 24 शोषण के विरुद्ध अधिकार प्रदान करते हैं।

व्यक्तित्व विकास के लिए [redacted] आवश्यकता अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 13

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर सन् 1945 को हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र संघ के लक्ष्य -

(1) अगामी पीढ़ी को युद्ध से बचाना

(2) विश्व शान्ति की स्थापना

(3) सहयोग व सद्भावना का विकास

योग पूर्व पृ०

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

① आगामी पीढ़ी को युद्ध से बचाना :- संयुक्त राष्ट्र संघ का लक्ष्य आने वाली पीढ़ी को युद्ध की विभीषिका से बचाना।

② विश्व शान्ति की स्थापना :- संयुक्त राष्ट्र संघ का एक लक्ष्य शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की नीति पर चलकर विश्व शान्ति की स्थापना करना है।

③ सहयोग व सद्भावना का विकास :- विश्व के सभी राष्ट्रो मे पारस्परिक सहयोग व सद्भावना का विकास कर विवादों को शान्तिपूर्ण तरीके से सुलझाना भी संयुक्त राष्ट्र संघ का लक्ष्य है।

इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ निरन्त प्रयास रत रहता है।

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 14

निःशस्त्रीकरण से आशय शस्त्रों में कमी कर युद्ध की सम्भावनाओं को कम करना।

निःशस्त्रीकरण के मार्ग में आने वाली बाधाएँ —

(1) शस्त्रीकरण में राष्ट्रों का विश्वास
(2) हथियारों में कमी का अनुपात न बन पाना।
(3) राष्ट्रों में मध्य अविश्वास

(1) शस्त्रीकरण में राष्ट्रों का विश्वास :— सभी राष्ट्र सैद्धान्तिक रूप से तो निःशस्त्रीकरण का समर्थन करते हैं परन्तु व्यवहार में सुरक्षा के लिए हथियारों का एकत्रीकरण करते हैं।

(2) हथियारों में कमी का अनुपात न बन पाना :— यह भी निःशस्त्रीकरण के मार्ग में एक बाधा है

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

कि राष्ट्रों की आवश्यकता के अनुरूप किस अनुपात में हथियार रखे जायें या उनकी कमी की जाय।

③ राष्ट्रों के मध्य अविश्वास :- यह भी निःशस्त्रीकरण के मार्ग में एक बाधा है। एक राष्ट्र यदि हथियारों का आयात करता है तो उसका पड़ोसी राष्ट्र शंका करता है अपनी सैनिक शक्ति में भी वृद्धि कर लेता है।

निःशस्त्रीकरण की इन बाधाओं को दूर करके ही इसे सफल बनाया जा सकता है।

प्रश्न क्रमांक - 15

अथवा

म.प्र. पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना मार्च 1993 में हुई थी। परन्तु इसने सन् 1995 से विधिवत कार्य करना प्रारम्भ किया था।

म. प्र. पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्य अग्रलिखित है -

B
S
E

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(1) संरक्षण का सुनिश्चय :- मु.प्र. पिछड़ा वर्ग आयोग संविधान एवं विधि के द्वारा दिए जाने वाले संरक्षण की जाँच व इनको प्रभावी बनाता है।

(2) आरक्षण संबंधी जानकारी :- स्कूल व कॉलेजों आदि शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान करता है।

(3) ~~प्रतिवेदन~~ प्रार्थना पत्र की जाँच :- पिछड़ा वर्ग की सूची में जो जाति प्रार्थना पत्र की जाँच करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि इसे सूची में शामिल किया जाना है या नहीं।

(4) सम्पन्न जाति को सूची से निकालना :- पिछड़ा वर्ग की अनुसूची में जो जाति सामाजिक व आर्थिक तौर पर विकसित हो जाती है तो उसे अनुसूची से बाहर करने का कार्य भी करती है।

(5) केन्द्र सरकार द्वारा दिए जानेवाले कार्य :- पिछड़ावर्ग की जाँच, विकास, कल्याण आदि के विषय में केन्द्र

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

सरकार द्वारा दिए जाने वाले कार्यों को भी करता हैं।

म.प्र. मे लगभग 7 करोड़ जनसंख्या हैं जिसमे से आधे से अधिक पिछड़ी जातियों से सम्बन्ध रखते हैं।

प्रश्न क्रमांक - 16

~~क्षेत्रवाद~~ से ~~आशय~~ अथवा

आर्थिक असमानता से आशय सभी क्षेत्र का ~~एकसमत~~ एकसमान विकास न हो पाना हैं। कहीं बहुत अच्छी आर्थिक स्थिति है तो कभी बहुत खराब।

आर्थिक असमानता के कारण

(1) विकास योजनाओं की आंशिक सफलता

(2) विपरीत राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

(3) मानव पूँजी का अभाव

(4) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(1) विकास योजनाओं की आंशिक सफलता :- सरकार द्वारा विकास कार्यक्रमों का प्रमुख उद्देश्य रोजगार व जीवन स्तर को ऊँचा उठाना हैं। परन्तु वास्तव में राजनीतिक प्रभाव वाले बड़े कृषकों को इनका लाभ मोड़ दिया जाता हैं जिससे जनसाधारण गरीब के गरीब रह जाती हैं।

B S E

(2) विपरीत राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था :- देश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण प्रशासन इसी में लगा रहता हैं। जिससे आर्थिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हैं।

मानव पूँजी का अभाव :- मानव पूँजी का अभाव भी ...र्थिक असमानता का एक कारण हैं। पंजाब के आर्थिक विकास में वहाँ की मानव पूँजी का महत्वपूर्ण योगदान हैं।

(5) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी :- राजनीतिक नेता हमेशा अपनी भोग विलासिता में संलिप्त रहते हैं जिससे उनमें राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी होती है व आर्थिक विकास न होकर आर्थिक असमानता की

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
प्रश्न क्र.

B S E

की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं।

आर्थिक असमानता के कारण धनी और अधिक धनी व निर्धन और निर्धन हो जाता हैं जो देश के आर्थिक विकास मे बड़ी बाधा हैं।

प्रश्न क्रमांक -17

राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन "राष्ट्रीय महिला अधिनियम 1990" के तहत किया गया हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्य-

(1) संविधान एवं विधि के द्वारा महिलाओं को दी जाने वाली व्यवस्थाओं की जाँच व देख रेख करना।

(2) महिलाओं के कल्याण सम्बन्धी योजनाओं का क्रियान्वयन करना।

) संविधान एवं विधियों के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओ के उल्लघंनकर्त्ताओ को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना।

योग पृष्ठ ... 10

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(4) महिलाओं के आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए नियोजन की प्रक्रिया मे भाग लेना व सुझाव देना

(5) राज्यो में महिलाओं के कल्याण की प्रगति का मूल्यांकन करना।

(6) जेल, रिमाण्ड गृहो, नारी निकेतन में रहने वाली महिलाओं की समय-समय पर जाँच करना।

(7) केन्द्र सरकार द्वारा को महिलाओं से सम्बन्धी मामलों पर सुझाव देना।

(8) केन्द्र सरकार को वार्षिक रिपोर्ट प्रदान करना।

ये सभी राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्य होते हैं। जिनसे महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाता है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक :- ~~10~~ 18

अथवा

गुटनिरपेक्षता वह ~~की~~ ~~वई~~ है ~~वह~~ जो भारत की विदेश नीतियों का निर्देशन करती है।

भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता नीति अपनाये जाने के कारण –

(1) अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को कम करने के लिये

(2) विशिष्ट पहचान हेतु

(3) आर्थिक विकास हेतु

(4) निर्णय की स्वतंत्रता हेतु

) अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को कम करने के लिये:- भारत दि किसी गुट में सम्मिलित होता तो ह अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति ~~व~~ तनाव को बढ़ावा देता परन्तु भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय तनाव कम करने के कारण गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन किया।

B
S
E

(2) विशिष्ट पहचान हेतु :- स्वतंत्रता के बाद भारत न इतनी छोटी शक्ति थी कि उसे नजर अन्दाज किया जा सके। भारत में एक बड़ी शक्ति बनने की सम्भावनाएँ थी तथा अपनी विशिष्ट पहचान हेतु उसने गुट निरपेक्षता की नीति अपनाई।

B

(3) आर्थिक विकास :- भारत की प्रथम आवश्यकता आर्थिक विकास की थी यदि वह किसी एक गुट में शामिल होता तो उसे उसी गुट से मात्र सहायता प्राप्त होती। दोनों गुटनिरपेक्षता के कारण दोनों गुटों से आर्थिक सहायता प्राप्त की जा सकती थी।

(4) निर्णय की स्वतंत्रता :- भारत अपनी निर्णय की स्वतंत्रता को बरकरार रखना चाहता था। भारत स्वतंत्र विदेशी नीति का निर्धारण करना चाहता था। इसीलिए उसने ~~आ~~ गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई।

भारत ने इसे अपना आधार बनाया व इसे सिद्धान्त के रूप में स्वीकार किया।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY

प्रश्न क्रमांक → 19

सार्क का पूरा नाम –

दक्षिण एशियाई सहयोगकारी क्षेत्रीय संगठन

स्थापना – दिसम्बर 1985

• सार्क के उद्देश्य –

(1) जन कल्याण

(2) प्रगति, संवृद्धि व विकास

(3) आत्मविश्वास को बढ़ावा

(4) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

(1) जन कल्याण :- द० एशिया के व्यक्तियों के कल्याण को ऊंचा करना व जीवन स्तर में वृद्धि करना सार्क का उद्देश्य है।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
प्रश्न क्र.

(2) संवृद्धि, प्रगति व विकास :- द. एशिया की आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक प्रगति व सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना।

(3) आत्मविश्वास को बढ़ावा देना :- द. एशिया के राष्ट्रों के मध्य आत्मविश्वास को बढ़ावा देना व आपसी सूझबूझ व विश्वास द्वारा विवादों का निपटान करना भी सार्क का प्रमुख ~~उद्देस्य~~ उद्देश्य है।

B
S
E

(4) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग :- अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर ...ोग की भावना का विकास ...र विकासशील राष्ट्रों की आवाज उठाना भी सार्क का उद्देश्य है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्रमांक - 20

अथवा

ताशकन्द समझौता 10 जनवरी 1966 को हुआ था। यह समझौता वर्तमान उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकन्द में हुआ था। यह भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री व ~~रूस~~ पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयुब खाँ के मध्य हुआ था।

ताशकंद समझौते के मुख्य प्रावधान -

(1) दोनों राष्ट्र अच्छे पड़ोसी के सम्बन्ध विकसित करने का प्रयास करेंगे।

(2) 22 ~~जनवरी~~ ~~19~~ फरवरी 1966 के पहले ~~कश्मीर~~ कश्मीर से अपनी सेनाएँ हटा लेंगे।

(3) दोनों राष्ट्र एक दूसरे पर आक्रमण नहीं करेंगे।

(4) दोनों राष्ट्र एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

योग पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

(5) दोनों देशों में उच्चायुक्त पुनः पदो को धारण करेगें।

(6) आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देगें।

(7) दोनों देश युद्धबन्दियों को परस्पर आदान प्रदान करेगें।

(8) दोनों राष्ट्र शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की नीति पर चलेगें।

इन सभी प्रावधानों में केवल कुछ ही प्रावधानों को वास्तव मे स्वीकार किया गया।

प्रश्न क्रमांक – 21

आधुनिकीकरण वह प्रक्रिया है जिसमे जो साधनो के विवेकपूर्ण ढंग उपयोग पर आधारित होती है तथा आधुनिकीकरण के उद्देश्य से परिपूर्ण रहती है।

— क्लोडवेल्च

2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
राजनीति विज्ञान	1 30	हिन्दी	13 06 2020

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

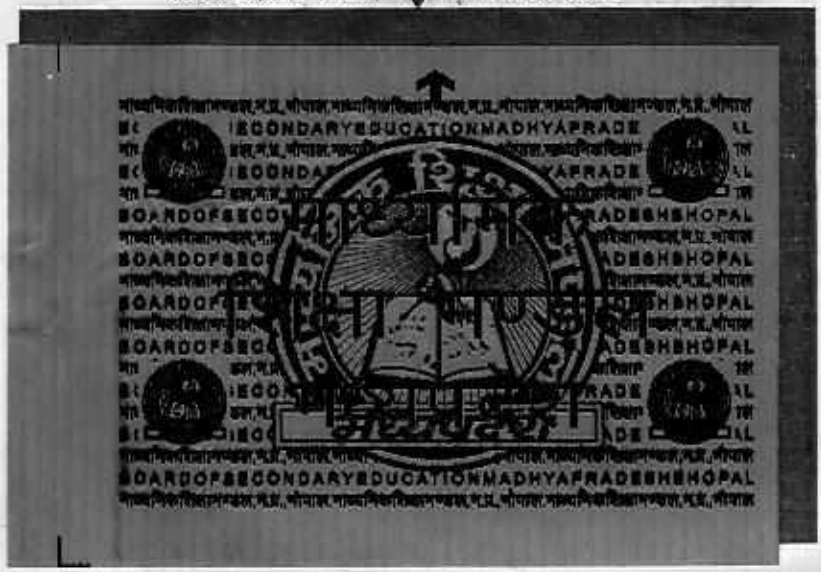

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक
731002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

भूपेन्द्र ठाकुर

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक

B S E

आधुनिकीकरण की विशेषताएँ

1. अलग - अलग कार्यों के लिए अलग-अलग पद
2. कार्यों मे विभिन्नता के बावजूद एकीकरण
3. व्यक्ति की निष्ठा
4. धर्मनिरपेक्ष तर्क संगत तरीके

1. अलग - अलग कार्यों के लिए अलग -अलग पद :-

आधुनिकीकरण मे ~~अलग - अलग कार्यों~~ शासकीय संरचनाओ मे अलग - अलग कार्यों के लिए अलग - अलग पदो की व्यवस्था होती हैं।

) कार्यों मे विभिन्नता के बावजूद एकीकरण :-

आधुनिकीकरण मे विभिन्न कार्यो होते है परन्तु उनमे

पृष्ठ के

एकीकरण व सामञ्जस्य पाया जाता है।

(3) व्यक्ति की निष्ठा :- आधुनिकीकरण में व्यक्ति की निष्ठा का स्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर तो कभी-कभी अन्तर्राष्ट्रीय भी होता है।

(4) धर्मनिरपेक्ष तर्कसंगत तरीके :- आधुनिकीकरण में धर्मनिरपेक्ष व तर्कसंगत तरीकों को अपनाया जाता है। इसमें जाति, धर्म आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्रश्न क्रमांक – 22

राज्य पुनर्गठित आयोग • 29 दिसम्बर 1953 को सरकार द्वारा गठित करने की घोषणा की गई।

इसके अध्यक्ष :- न्यायमूर्ति फज़ल अली।

प्रथम सदस्य :- के. एम. पणिक्कर व हृदयनाथ कुंजरू थे।

68	+	4	=	72
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 3 के अंक		कुल अंक

~~सम संस्तुतियाँ~~

राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के अनुसार संस्तुतियाँ —

(1) केरल, म० प्र० व कर्नाटक नये राज्यो की स्थापना की जायेगी।

(2) मद्रास, उ० प्र०, बिहार, प० बंगाल उड़ीसा आदि राज्य यथावत रहेगें।

(3) त्रिपुरा को असम में शामिल नहीं किया जायेगा।

(4) महाराष्ट्र में बम्बई, म० प्र० व मद्रास मे मराठी भाषी, गुजरात में कच्छ व सौराष्ट्र को शामिल किया जायेगा।

(5) राज्यो चारपक्षीय वर्गीकरण (A B C D) को समाप्त कर दिया जायेगा।

(6) त्रिपुरा को केन्द्रशासित प्रदेश बनाया जायेगा।

(7) क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की जायेगी है।

4

प्रश्न क्रमांक - 23

अथवा

भारत में नियोजन 1 अप्रैल 1951 से प्रारम्भ किया गया।

नियोजन के उद्देश्य

(1) आय व सम्पत्ति के असमान वितरण में कमी
(2) संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग।
(3) सन्तुलित क्षेत्रीय विकास
(4) अर्थव्यवस्था को सन्तुलित करना
(5) जीवन स्तर में वृद्धि

(1) आय व सम्पत्ति के असमान वितरण में कमी :- नियोजन का प्रमुख उद्देश्य आय व सम्पत्ति के असमान वितरण में कमी लाना है।

(2) संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग :- नियोजन का प्रमुख

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2020

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय | विषय कोड | परीक्षा का माध्यम | परीक्षा का दिनांक

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 731002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक

उद्देश्य संसाधनों का कुशलता पूर्वक उपयोग कर आर्थिक विकास करना है।

③ सन्तुलित क्षेत्रीय विकास :- देश का सन्तुलित क्षेत्रीय विकास करना भी नियोजन का उद्देश्य है।

4) अर्थव्यवस्था को सन्तुलित करना :- अर्थव्यवस्था को सन्तुलित कर आर्थिक क्रियाओं का संचालन करना होता है।

⑤ जीवन स्तर में वृद्धि :- देश के सभी नागरिकों के जीवन स्तर में वृद्धि करना भी नियोजन का उद्देश्य है।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्रमांक - 25

" सहकारी संगठन आत्म सहायता को प्रभावपूर्ण बनाने की विधि है।"
— सर होरेस प्लेकेट

सहकारी संगठन की विशेषताएँ

(1) व्यक्तियों का संघ

(2) सदस्यता स्वैच्छिक

(3) संघात्मक व्यवस्था पर आधारित

(4) लोकतंत्र के सिद्धान्त पर आधारित

(5) समाजवाद व पूँजीवाद के गुण

(1) व्यक्तियों का एक संघ :- सहकारी संगठन व्यक्तियों का एक आर्थिक समुदाय होता है। जिसमें नैतिकता के गुण जैसे - इमानदारी, परिश्रम, सेवा आदि का विकास होता है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2020 — 4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय ...... विषय कोड ...... परीक्षा का माध्यम ...... परीक्षा का दिनांक

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

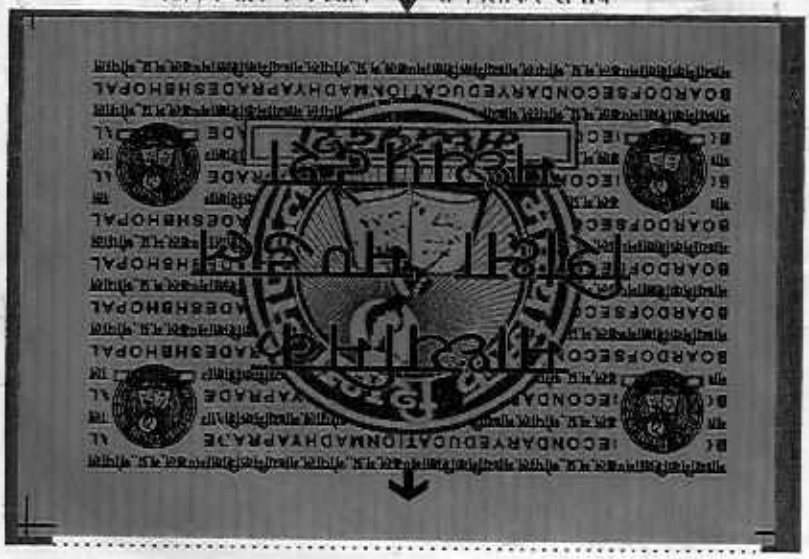

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 731002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

भूपेन्द्र ठाकुर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक .... तक कुल प्राप्तांक

B S E

(2) सदस्यता स्वैच्छिक :- सहकारी संगठनो में सदस्यता स्वैच्छिक होती है। कोई भी व्यक्ति इच्छानुसार इसका सदस्य बन सकता है व पूर्व सूचना देकर इसकी सदस्यता समाप्त कर सकता है।

(3) संघात्मक व्यवस्था पर आधारित :- सहकारी संगठन ~~संस~~ संसदीय, अध्यक्षीय व्यवस्था पर आधारित न होकर संघात्मक व्यवस्था पर आधारित होता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

(4) लोकतंत्र के सिद्धान्त पर आधारित :- सहकारी संगठन

योग पृ. कुल अ.

लोकतंत्र के सिद्धान्तो पर आधारित होता है तथा लाभ के स्थान पर सेवा को महत्व देता हैं।

(8) समाजवाद व पूँजीवाद के गुण :- यह संगठन समाजवादी व पूँजीवाद के गुणों पर आधारित होते है। "काम करो" इस संगठन का नारा हैं।

प्रश्न क्रमांक - 26

तनाव शैथिल्य का अर्थ दो महाशक्तियों संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ मे महत्य शीत युद्ध उत्पन्न तनाव को करना होता है।

तनाव ~~शै~~ शैथिल्य के अभ्युदय के कारण-

(1) परमाणु युद्ध का भय

(2) क्यूबा मिसाइल संकट 1962

(3) सोवियत संघ की सहयोगकारी नीति

योग कुल अंक

(4) सोवियत संघ आर्थिक आवश्यकताएँ
(5) चीन का नये शक्ति केन्द्र के रूप मे उभरना

(1) परमाणु युद्ध का भय भय :- दोनो गुटो को परमाणु युद्ध का भय सताने लगा था क्योंकि द्वितीय विश्व के बाद 1945 मे अमेरिका परमाणु शक्ति सम्पन्न था परन्तु अब 10 वर्षो बाद रूस भी परमाणु शक्ति सम्पन्न हो गया।

(2) क्यूबा मिसाइल संकट 1962 :- दो गुटो में क्यूबा मिसाइल संकट ने दोनों गुटो को युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया।

(3) सोवियत संघ की सहकारी नीति :- इस नीति के कारण अमेरिका व रूस मे तनाव शैथिल्य उत्पन्न हुआ।

(4) सोवियत संघ आर्थिक आवश्यकताएँ :- अमरीका के पास तकनीकी थी और इस कारण रूस के पास आर्थिक समस्या इसके निराकरण हेतु रूस ने तनाव शैथिल्य की प्रक्रिया अपनायी।

(5) चीन का नये शक्ति केन्द्र के रूप में उभरना :-

चीन आर्थिक शक्ति केन्द्र रूप उभर रहा था इसीलिए तनाव शैथिल्य की प्रक्रिया अमेरिका व रूस द्वारा अपनाई गई

प्रश्न क्रमांक - 24

क्षेत्रवाद से आशय उस क्षेत्रीय भावना से जिसमे क्षेत्रीय विकास को राष्ट्रीय विकास एवं हितो के लिए बाधक होता हैं।

क्षेत्रवाद के कारणो के रोकने उपाय —

(1) सन्तुलित आर्थिक विकास :- सन्तुलित आर्थिक विकास के द्वारा क्षेत्रवाद की प्रवृत्ति को रोकने मे सहायता मिलती हैं व इस पर अंकुश लगाया जा सकता हैं।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय : विषय कोड : परीक्षा का माध्यम : परीक्षा का दिनांक

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 731062

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ..... तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

BSE

(2) हिंसात्मक प्रवृत्ति पर रोक :- हिंसात्मक आंदोलनों को सरकार द्वारा नियंत्रित करके भी क्षेत्रवाद को रोका जा सकता है।

(3) राष्ट्रीय एकता प्रसार :- क्षेत्रवाद सम्भावित क्षेत्रों में राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत करना चाहिए जिससे अखण्डता व एकता को बढ़ावा मिले और क्षेत्रवाद के कारणों को मिटाया जा सके।

(4) प्रशासनिक कुशलता - प्रशासनिक कुशलता से भी क्षेत्रवाद को रोका

पृष्ठ के अंकों का योग

जा सकता है।

(5) राजनीतिक नेताओं की सकरात्मक भूमिका :- इससे जनता को प्रभावित करके व आर्थिक विकास से क्षेत्रवाद को रोका जा सकता है। राजनीतिक नेता भी क्षेत्रवाद को बढ़ावा देते हैं इसके लिए उनको क्षेत्रवाद को रोकने का प्रयास करना चाहिए।